भारत - लग्जमबर्ग संबंध

राजनीतिक

भारत और लग्जमबर्ग के बीच राजनयिक संबंध वर्ष 1947 में स्थापित हुए। इसके बाद से, भारत और लग्जमबर्ग के बीच गहन, सौहार्दपूर्ण एवं मित्रवत संबंध रहे हैं जो इन दोनों राष्ट्रों ने प्रजातांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन तथा विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। दोनों राष्ट्रों ने एक दूसरे के सरोकारों एवं हितों के प्रति काफी समझदारी भरी प्रतिबद्धता एवं सम्मान व्यक्त किया है जिससे इनके आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता आई है। इसी क्रम में लक्जमबर्ग ने वर्ष 2002 में दिल्ली में अपना राजदूतावास खोला। प्रमुख द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर दोनों देशों के विचारों में समानता है।

उच्च स्तरीय यात्राएं

4 से 7 नवंबर, 2015 के दौरान लग्जमबर्ग में आयोजित 12वीं एशिया - यूरोप विदेश मंत्री बैठक में माननीय विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) श्री विजय कुमार सिंह ने भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री प्रकाश जावेडकर ने 18-19 जुलाई, 2015 के दौरान लग्जमबर्ग में आयोजित प्रमुख अर्थव्यवस्था मंच में भाग लिया। इससे पहले, 2012 में माननीय विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रणीत कौर ने लक्ज़मबर्ग का 18 अप्रैल 2012 को दौरा किया; माननीय लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय संसदीय शिष्टमंडल ने 10 से 13 जून 2010 तक लग्जमबर्ग का दौरा किया; प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलार रवि ने 29 और 30 सितंबर 2009 को लग्जमबर्ग का दौरा किया जिसके दौरान सामाजिक सुरक्षा पर एक करार पर हस्ताक्षर किए गए; और इस्पात, रसायन और उर्वरक मंत्री श्री रामविलास पासवान ने सितंबर 2006 में लग्जमबर्ग का दौरा किया। श्री के. आर. नारायणन, भारत के माननीय राष्ट्रपति ने सितंबर, 1998 में लक्जमबर्ग का दौरा किया।

लग्जमबर्ग की ओर से भारत की उच्च स्तरीय यात्राओं में निम्नलिखित यात्राएं शामिल हैं : लग्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री तथा अर्थ एवं व्यापार मंत्री महामहिम श्री एटीने स्नीडर की यात्रा जिन्होंने 29 मार्च से 4 मार्च 2016 के दौरान एक व्यापार मिशन का नेतृत्व किया, मार्च 2015 में लग्जमबर्ग के विदेश मंत्री श्री जीन एस्सलबॉर्न की नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा। लग्जमबर्ग के विदेश मंत्री ने नवंबर 2013 में नई दिल्ली में आयोजित 11वीं असेम विदेश मंत्री में भी भाग लिया। 2012 में, उप प्रतिनिधियों के मंडल के अध्यक्ष, श्री लौरेंट मोसार ने 28

फरवरी से 2 मार्च, 2012 के दौरान नई दिल्ली में संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इससे पहले, लग्जमबर्ग के अर्थ एवं व्यापार मंत्री श्री जीन्नोट क्रेकी के नेतृत्व में एक आर्थिक शिष्टमंडल ने 9 से 14 जनवरी 2010 के दौरान भारत का दौरा किया। इससे पहले अप्रैल 2007 में भी उनके नेतृत्व में एक आर्थिक मिशन ने भारत का दौरा किया था; बजट एवं राजकोष मंत्री श्री लूस फ्रीडन ने जनवरी 2007 में, उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री श्री जीन असेलबर्न ने फरवरी 2007 में भारत का दौरा किया; जनवरी 1999 में लग्जमबर्ग के प्रधानमंत्री री जीन क्लौड जुंकर ने भारत का दौरा किया था (वह लग्मबर्ग के एक मात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने भारत का दौरा किया है), वर्तमान ग्रैंड ड्यूक हेनरी ने मई 1995 में उस समय भारत का दौरा किया था जब वह क्राउन प्रिंस थे; विदेश मामले एवं विदेश व्यापार मंत्री श्री जार्ज वोहलफार्ट ने अक्टूबर 1995, मई 1996 और अप्रैल 1997 में भारत का दौरा किया; पूर्व ग्रैंड ड्यूक जीन (वर्तमान ग्रैंड ड्यूक हेनरी के पिता) ने ग्रैंड डचेज के साथ मार्च 1983 में भारत का दौरा किया था।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध

भारत और लग्जमबर्ग ने स्टील सेक्टर में लंबे समय से सहयोग करते रहे हैं। लक्जमबर्ग कंपनी पॉल बुर्थ कंपनी विगत दो दशकों से भारत में विद्यमान रही है और इसने सेल, टिस्को, जिंदल स्टील इत्यादि के सहयोग से भारत में स्टील सेक्टर का स्तरोन्नयन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। लग्जमबर्ग में आधारित कंपनियां जैसे कि आरसेलर मित्तल, जॉन जिंक इंटरनेशनल लग्जमबर्ग भी मौजूद हैं तथा भारत में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। एक अन्य क्षेत्र जहां सहयोग बढ़ रहा है, नागर विमानन क्षेत्र है। अन्य क्षेत्र जहां सहयोग सतत बढ़ता जा रहा है, वह नागर विमानन क्षेत्र है।

परस्पर आर्थिक हित के क्षेत्रों की पहचान करने एवं द्विपक्षीय व्यापार के संवर्धन के लिए भारत - बी एल ई यू (बेल्जियम - लक्जमबर्ग आर्थिक संघ) संयुक्त आयोग बैठक (जे सी एम) की स्थापना 1997 में हुई थी। यह आर्थिक सहयोग के विभिन्न मुद्दों के बारे में विचारों का आदान - प्रदान करने तथा परस्पर आर्थिक हित एवं द्विपक्षीय व्यापार प्रवर्धन के क्षेत्रों की पहचान करने हेतु द्विपक्षीय व्यापार प्रवर्धन के क्षेत्रों की पहचान करने हेतु द्विपक्षीय फोरम के रूप में कार्य कर रहा है। जे सी एम की पिछली बैठक सितंबर 2015 में हुई थी।

द्विपक्षीय व्यापार

जनवरी से सितंबर 2015 के दौरान, भारत और लग्जमबर्ग के बीच द्विपक्षीय व्यापार 34.98 मिलियन यूरो था जबकि 2014 में इसी अवधि के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 28.04 मिलियन

यूरो था। जनवरी से सितंबर 2014 के दौरान लग्जमबर्ग को भारत का निर्यात 5.86 मिलियन यूरो से घटकर 2015 में इसी अवधि के दौरान 4.60 मिलियन यूरो रह गया, जबकि जनवरी से सितंबर 2014 के दौरान लग्जमबर्ग से आयात 22.18 मिलियन यूरो से बढ़कर 2015 में इसी अवधि के दौरान 29.38 मिलियन यूरो हो गया। जनवरी से सितंबर 2015 के दौरान भारत की ओर से लग्जमबर्ग को जिन वस्तुओं का निर्यात किया गया उनमें मुख्य रूप से इंजीनियरिंग उत्पाद, वस्त्र एवं गारमेंट तथा रसायन शामिल हैं। भारत द्वारा लग्जमबर्ग से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से इंजीनियरिंग माल, बेस मेटल तथा प्लास्टिक एवं संबद्ध उत्पाद शामिल हैं।

द्विपक्षीय निवेश

अप्रैल 2000 से सितंबर 2015 के बीच लग्जमबर्ग से भारत में एफ डी आई प्रवाह लगभग 1,383.82 मिलियन अमरीकी डालर है, जिससे यह भारत में 16वां सबसे महत्वपूर्ण निवेश बन गया है। लग्जमबर्ग ने कंप्यूटर साफ्टवेयर / हार्डवेयर, रसायन, ट्रेडिंग एवं आटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में निवेश किया है।

लग्जमबर्ग विश्व के सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय केंद्रों में से एक है। भारतीय कंपनियां लग्जमबर्ग स्टॉक एक्सचेंज पर ग्लोबल डिपॉजिटरी रीसिप्ट (जी डी आर) जारी करके पूंजी जुटा रही हैं। भारत की लगभग 170 कंपनियों ने इस विशाल क्षमता का लाभ उठाया है। इसके अलावा, लग्जमबर्ग आधारित निवेश निधियों के पास भारत में बैंकिंग एवं परिसंपत्ति प्रबंधन बाजार में काफी हिस्सेदारी है।

भारतीय समुदाय :

लक्जमबर्ग में भारतीय समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 1000 है। लगभग 500 भारतीय पासपोर्ट धारक हैं जो आर्सेलर मित्तल, सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग एवं अन्य सेवा सेक्टरों से सम्बद्ध हैं। भारतीय छात्र भी अनुसंधान एवं अनुसंधानों (पोस्ट डॉक्टरल) अध्ययनों के लिए लक्जमबर्ग आने लगे हैं। मार्च, 2009 में, एक भारतीय वाणिज्य लक्जमबर्ग मंडल (आई बी सी एल) का गठन किया गया ताकि भारत और लक्जमबर्ग के बीच वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा दिया जा सके। यह मंडल व्यावसायिक कार्यकलापों को सुगम बनाता है और भारतीय कंपनियों को लक्जमबर्ग में व्यावसायिक उद्यमों की स्थापना करने में सहायता करता है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, बेल्जियम, लक्जमबर्ग तथा यूरोपीय संघ की वेबसाइट :
http://www.indembassy.be.

भारतीय दूतावास, ब्रुसेल्स का फेसबुक पृष्ठ :
https://www.facebook.com/IndEmbassyBrussels

ट्विटर हैंडल :
@IndEMbassyBru

इंडिया ग्लोबल - ए आई आर एफ एम गोल्ड कार्यक्रम जो भारत एवं बेल्जियम के बीच संबंधों पर केंद्रित है :
https://www.youtube.com/watch?v=j15LxIcXnmw

*****

फरवरी, 2016